

सङ्गमनीय (a praec. s. इय) ad congressum, conventum pertinens. UR. 75.5.: सङ्गमनीयो मणिः (l. 9. सङ्गम-मणि).

सङ्गर m. (ut videtur, a सङ्ग s. र्) 1) promissum. IN. 4.12. 2) pactum, conventum. 3) pugna. 4) infortunium. (AM. प्रतिज्ञाजिसंविदापत्सु.)

सङ्गिन् (a सङ्ग q. v. s. इन्) propensus, cupidus, studiosus, addictus. BH. 3.26.

सङ्ग्रह m. (r. ग्रह praef. सम् s. अ) comprehensio, complexio. BH. 8.11.18.18. Collectio, accumulatio. HIT. 91.2.3.

सङ्ग्रहण n. (r. ग्रह praef. सम् s. अन्) 1) actio circumcludendi, includendi, *Einfassung*. HIT. 55.21. 2) rectio *equorum*. N. 23.10.

सङ्ग्राम् 10. p. (ut videtur, Denom. a सङ्ग्राम q. v.) pugnare.

सङ्ग्राम m. (ut mihi videtur, a r. क्रम्, mutato क् in ग्, praef. सम्, s. अ, vid. समिति, समर) pugna. DR. 8.46.

सङ्ग m. (r. हन् praef. सम्, mutato ह् in घ्, abjecto अन्, suff. अ, sicut ज्ञ a जन्, v. gr. 645. suff. अ; v. संहति, सङ्घात) turba, grex, caterva, multitudo. DR. 5.18. A. 9. 21. IN. 5.25.

सङ्गशस् (a praec. s. शस्) catervatim. Vid. शतसङ्गशस्.

सङ्घात m. (a घातय Caus. r. हन् praef. सम् s. अ) congeries, turba, multitudo. H. 2.7.

सच् 1. A. in dial. Ved. etiam 3. P. cum इ pro अ in syllabā redupl. (cf. gr. 327.) 1) sequi. RIGV. 38.8.: वत्सन् न माता सिषक्ति «vitulum veluti mater, ita fulmen Marutes sequitur. 2) obsequi, obedire, c. acc. vel gen. RIGV. 59.6.: यम् पूरवा वृत्रहणं सचन्ते «quem mortales Vritrae occisorem venerantur; 60.2.: अस्य शासुर उभयासः सचन्ते «hunc dominantem Agnim ambo colunt». 3) favere. RIGV. 1.9.: सचस्वा नः स्वस्तये (felicitatis causā); 18.2.: स नः सिषक्तु यस् तुरः (celer). (Cf. सञ्च, सप्, सञ्च, सेक्, सञ्च, सङ्ग, lith. seku sequor, hib. seichim «I follow, pursue, attack», seicin «a pursuit, following»; lat. sequor, gr. ἑπομαι,

mutatā guttural. in labial. sicut in sanscr. सप् sequi.) c. अभि i. q. simpl. v. Westerg.

सचिव (ut videtur, a r. सच्) consiliarius. SA. 1.36.

सञ् व. सञ्च.

सञ्ज् 1. A. interdum p. (a grammaticis scribitur षञ्ज्, v. gr. 109. 110<sup>b</sup>.) सञ्जामि सञ्जे (fortasse per assim. e सञ्यामि, सञ्ये, ita ut proprie pertineat ad cl. 4. vel e Pass. radices सञ्च affigere ortum sit, v. gr. 493. 503. et Westerg. s. r. सञ्च) adhaerere, inhaerere, affixum, infixum esse. RAGH. ed. Calc. 4.47.: ससञ्जुः ... मन्तेभक्-टेषु फल्लरेणवः; SU. 3.16.: यत्र वा दृष्टिर् न सञ्जति दिवौकसाम्. TROP. deditum, addictum esse, c. loc. MAN. 6.55.: विषयेषु अपि सञ्जति; MAH. 3.63.: न ब्रह्मदोषेषु कर्मसु सञ्जन्ते बुद्धिमन्तः. Haerescere, haesitare, de voce. R. 2.58.11.: सञ्जमानया । उवाच वाचा राजानं स वाष्पपरिबद्धया; 60.4. — Caus. facere ut adhaereat, inde facere ut femina cum viro coeat. MAN. 8.362.: सञ्जयन्ति हि ते नारीः (schol. परपुर-षान् आनीय तैः स्वभार्याः संश्लेषयन्ते. (Vid. सञ्च et cf. lat. seg-nis.)

c. अनु i. q. simpl. BH. 6.4.: न कर्मस्व अनुषञ्जते; 18.10.: न द्वेष्य अकृशलङ्ग कर्म कुशले ना नुषञ्जते.

c. प्र id. MAN. 3.125.: न प्रसञ्जेत विस्तरे (in plurimis eodd. प्रसञ्ज्येत; v. सञ्च praef. प्र et Haughtonii ann. ad h. l. et 6.55.).

c. सम् cohaerere. MAH. 2.917.: उभौ बाङ्गभिः समस-ञ्जेताम्. Adhaerere. MAH. 3.17228.: मृगस्य धर्षमा-णस्य विषाणे समसञ्जत. Haerescere, haesitare, de voce. वाक् संसञ्जमाना. R. Schl. II. 25.37.90.14.

सञ्ज (ut videtur, a r. सञ्ज् s. अ) paratus. SAK. 24.5.39. 2. infr.; HIT. 59.9.76.20.81.16.

सञ्च 1. A. (गतौ) ire. Vid. सच्.

सञ्चय m. (r. चि colligere praef. सम् s. अ) cumulus, acervus, multitudo. BH. 16.12.

सञ्चारक m. (Caus. r. चर् praef. सम् s. अक्) dux, ductor. HIT. 69.8.